

18.7.24 पत्रावली वि 3/2

पत्रावली वि 3/1

पत्रावली वरत पत्रावली 30.7.24 को 9.10

SDO गिरवाडी

30.7.24 - पत्रावली वि 3/2

प्रार्थी स्वयं द्वारा उपस्थित सिद्ध एवं प्रमाण-पत्र
बनाते परिसर शरीरगत विज्ञे करने का विधि विधि।
प्रार्थी वकील को सुराजवा।

- प्रार्थी वकील एवं प्रार्थी द्वारा अपने प्रमाण-पत्र के
तथ्यों को दर्शाते हुए कथन विधा-दि प्रार्थी एवं
विपक्षीयों के बीच श्रावणी ग्रहणित से तथा लोके
प्रबन्धन में प्रेषित सिद्ध शरीरगत हो जाने से अज्ञेय
की क्रायवली को छोड़ने की यत्ना करते हैं तथा
शक्ति परिसर शरीरगत विज्ञे के जायजें करवना
करते हैं ऐसी स्थिति में लोके सिद्ध प्रार्थी शरीरगत
के हो जाने से प्रार्थी का प्रमाण-पत्र प्रीतिर विधापत्र
व्याप्यहित प्रीति होना है।

सिद्ध प्रार्थी का प्रमाण-पत्र शीघ्र विधा
जाकर अज्ञेय परिसर शरीरगत विज्ञे के व्याप्य
विधापत्र है।

- पत्रावली प्रीति कृपा सिद्ध को बल (बल) है।

3